96 प्रशिक्षित जेंटलमैन कैडेट अधिकारी के रूप में सेना में शामिल हुए। इनमें टेक्निकल एंट्री स्कीम और स्पेशल कमीशन ऑफिसर के कैडेट लेफ्टिनेंट बने हैं। इन सभी ने ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी, गया में प्रशिक्षण हासिल किया है।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 8 दिसंबर 2019

पाकिस्तान जैसे पड़ोसी से निपटने को तैयार रहना होगा : राजनाथ

कड़ा प्रहार ▸ कहा, पड़ोसी मुल्क ने आतंकवाद को अपनी राष्ट्र नीति बना लिया है

जागरण संवाददाता, देहरादून

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद को अपनी राष्ट्र नीति बना लिया है। वहां चरमंपथी तत्व इतने मजबूत हैं कि राजनीति के केंद्र में बैठे लोग उनके हाथों की कठपुतलियों से ज्यादा कुछ नहीं लगते। हमें पाकिस्तान जैसे पड़ोसी से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। चीन पर टिप्पणी करते हुए राजनाथ ने कहा कि भारत और चीन की क्षेत्रीय अवधारणाएं एक-दूसरे से अलग हो सकती हैं, लेकिन चीन आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बाकी दुनिया के साथ खड़ा है।

शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) में आयोजित शानदार पासिंग आउट परेड के बाद 306 युवा अधिकारी भारतीय सेना में शामिल हुए। नव सैन्य अफसरों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सेवा एवं शांति का संदेश दुनिया तक पहुंचाएं। कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत की कभी भी अतिरिक्त क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं नहीं रही हैं। हमने दुनिया में किसी देश पर आक्रमण नहीं किया। किसी की एक इंच भूमि भी भारत के कब्जे में नहीं है। इसके बावजूद सीमाओं पर ऐसे खतरे मंडराते रहते हैं जहां आपको वीरता के साथ विवेक की भी जरूरत पड़ती है। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि विचित्र पड़ोसी है, सुधार के रास्ते पर चलने को तैयार ही नहीं है। हमारे साथ उसने चार लड़ाइयां लड़ीं और हर बार मुंह की खायी, पर वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आता।

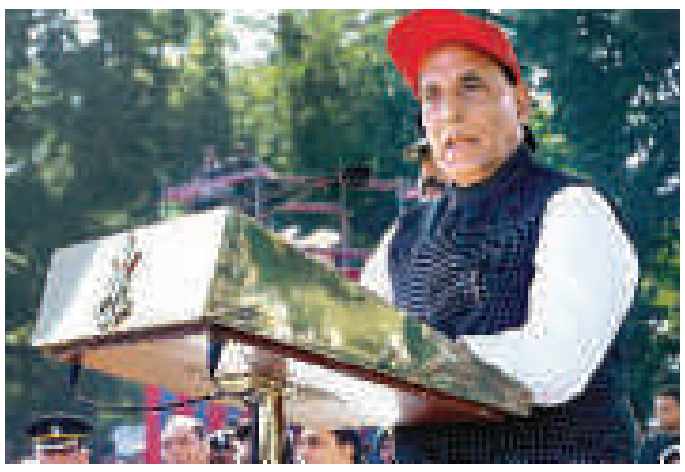

देहरादून में शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी में दीक्षा परेड के बाद नव सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ एक मल्टी प्रोम्प्ट स्ट्रेटेजी अपनाई हुई है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इसके बावजूद सदा सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद दुनिया के लिए कितना बड़ा खतरा है यह आज बताने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमने अपनी आंखों के सामने 9/11 और 26/11 की घटना देखी है। आज किसी भी सभ्य देश की आतंकवाद के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। दुनिया जानती है कि 26/11 को अंजाम देने वाले संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लोग पाकिस्तान में बैठे हैं। मुम्बई हमले में जो 166 बेगुनाह मारे गए, उनके परिवार को उस दिन न्याय मिलेगा जिस दिन 26/11 को अंजाम देने वालों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

चीन के साथ संबंधों पर रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमांकन कार्य लंबे समय से लंबित होने के चलते चीन के साथ सीमा को लेकर कुछ मतभेद जरूर हैं। इस स्थिति में उत्तरी व पूर्वी सीमा पर सेना को अक्सर वीरता के साथ ही विवेक से भी काम लेना पड़ता है। इसका परिचय भारतीय सेना ने कई बार दिया है। जब डोकलाम में एक अलग परिस्थिति बनी तो सेना ने मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय देने में भी परहेज नहीं किया। नव सैन्य अधिकारियों को भविष्य के खतरों से आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि साइबर वॉर एक बड़ी चुनौती बन रहा है। ऐसी-ऐसी चालें सामने आएंगी कि आपको सोचना पड़ेगा कि अस्त्र-शस्त्र का इस्तेमाल कहां और किस रूप में किया जाए। ऐसे में साइबर वॉर में भी महारत हासिल करनी होगी।

देश को मिले 306 युवा सैन्य अफसर : भारत माता तेरी कसम, तेरे रक्षक बनेंगे हम। भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) में इस गीत पर कदमताल करते जेंटलमैन कैडेट ड्रिल स्क्वायर पहुंचे, तो लगा कि कोई विशाल सागर उमड़ आया है। शनिवार को आइएमए की ड्रिल स्क्वायर में अंतिम पग भरते ही 306 नौजवान भारतीय सेना का हिस्सा बन गए। इसके साथ ही 71 विदेशी कैडेट भी पास आउट हुए।

इन्हें मिले सम्मान

स्वार्ड ऑफ ऑनर व स्वर्ण पदक	विनय विलास गरड़
रजत पदक	पीकेंद्र सिंह
रजत पदक (टीजी)	शिवराज सिंह
कांस्य पदक	ध्रुव मेहला
सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट	कुएंजंग वांगचुक भूटान
चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बैनर	केरन कंपनी

वतन की रक्षा के लिए समर्पित जम्मू-कश्मीर के युवा

▸ विभिन्न जिलों के 404 युवा सेना में शामिल, परेड में दिखा जोश

▸ ले. जनरल ढिल्लो ने युवाओं को निस्वार्थ भाव से देश सेवा करने के लिए कहा

राज्य ब्यूरो, जम्मू

नए जम्मू-कश्मीर के युवा जब वतन की हिफाजत के लिए शपथ ले रहे थे तो उनका जोश हिलोरे मार रहा था। परिजनों की खुशी की ठिकाना नहीं था। भारत माता की जय के नारे गूंज रहे थे। मौका था जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों के 404 युवाओं के सेना में शामिल होने का। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित राज्य बनने के बाद पहली बार हुई पासिंग आउट परेड में नवारक्षकों ने देश के लिए मर मिटने की कसम खाई।

पासिंग आउट परेड श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र रंगरेट में जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फेंट्री के रेजिमेंटल सेंटर में हुई। इसमें चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो मुख्यातिथि थे। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि 11 महीनों की कठिन ट्रेनिंग के बाद 404 युवा सेना में शामिल हुए हैं। युवाओं को निशानेबाजी सहित हर प्रकार की ट्रेनिंग दी गई।

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लो ने सभी युवाओं को मुबारकबाद देते हुए निस्वार्थ भाव से देश सेवा करने के लिए कहा। इस मौके पर युवाओं ने शानदार परेड की, जिसकी सलामी जीओसी ढिल्लो ने ली। परेड के बाद उन्होंने जब देश सेवा की कसम खाई तो पूरा क्षेत्र उनके जोश से गूंज रहा था। उनका साथ मैदान में बैठे उनके परिजन भी दे रहे थे।

इलियास की बहादुरी को सलाम : पॉसिंग आउट परेड में मौजूद सेना से हाल ही में सेवानिवृत्त हुए इलियास की बहादुरी को हर किसी ने सलाम किया। वह सेना से सेवानिवृत्त होने के बावजूद अब भी पहले की तरह ही लोगों की सेवा कर रहे हैं। कोर कमांडर ने सेवानिवृत्त कैप्टन इलियास अहमद को सम्मानित भी किया। कैप्टन इलियास को हिमस्खलन में लोगों की जान बचाने का विशेषज्ञ भी माना जाता है। इलियास को दो सेना मेडल मिलने के साथ चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का प्रशंसा पत्र पांच बार मिल चुका है। वह सेवानिवृत्त होने के बावजूद अब भी जवानों के साथ बचाव कार्य में पहले की तरह भाग लेते हैं। हाल ही में टंगडार में हुए हिमस्खलन में उन्होंने एक जवान को बचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के 404 युवा शनिवार को सेना की जम्मू-कश्मीर लाइट इंफेंटरी रेजीमेंट का हिस्सा बन गए। श्रीनगर में आयोजित पासिंग आउट परेड में जब इन युवाओं ने गरजती आवाज में देश के लिए मर मिटने की शपथ ली तो हर कोई गर्व से भर गया। इस मौके पर मौजूद परिजनों ने अपने लाडलों को सैन्य वर्दी में देख गले लगा लिया। कामरान रशीद बट

न्यूज गैलरी

तीन लाख से भरा एटीएम ले भागे चोर

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर जिले के एक गांव से शुक्रवार सुबह चोर लगभग तीन लाख रुपये से भरा इंडियन ओवरसीज बैंक का एटीएम ले उखाड़ ले गए। क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर के मुताबिक चोरों ने सबसे पहले एटीएम का कनेक्शन बैंक के सर्वर से काटा और फिर अपने साथ लाए वाहन में लादकर एटीएम ले गए। पुलिस को शक है कि इस वारदात के पीछे भी हरियाणा के मेवात जिले के उसी गैंग का हाथ हो सकता है जिसने कुछ दिनों पहले एक और एटीएम को चोरी करने का असफल प्रयास किया था। पुलिस का कहना है कि वह जल्द ही वारदात को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। (प्रेट्र)

केरल हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की सुरक्षा वापस ली गई

कोच्चि : केरल हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और राज्य की सत्तारूढ़ माकपा नीति सरकार के मुखर आलोचक बी केमल पाशा को दी गई सुरक्षा शनिवार को अचानक वापस ले ली गई। यह फैसला गृह सचिव के स्तर से शुक्रवार को लिया गया। सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने कहा कि उनसे सुरक्षा तब वापस ली गई जब केरल का आइएस गुट उनको धमकी दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बारे में एक बार फिर विचार करना चाहिए। (प्रेट्र)

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बहन का निधन

मुजफ्फरनगर : फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बहन शायमा तमशी सिद्दीकी का ब्रेस्ट कैंसर के कारण निधन हो गया। शायमा पुणे के अस्पताल में भर्ती थीं। अभिनेता की बहन की मृत्यु की खबर से कस्बे में शोक छा गया। नवाजुद्दीन के छोटे भाई अयाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि शनिवार सुबह करीब तीन बजे अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी बहन ने अंतिम सांस ली। वह पिछले करीब आठ साल से ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थीं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी शूटिंग के लिए अमेरिका में हैं। बहन की मृत्यु की खबर पाते ही वह मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना आने के लिए वहां से रवाना हो गए हैं। उनके छोटे भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी शायमा के शव को लेकर पुणे से बुढ़ाना आ रहे हैं। शायमा की शादी बीते वर्ष 26 जनवरी को सहारनपुर के रहने वाले फैसल के साथ हुई थी। शायमा पति के साथ दिल्ली में रह रही थीं। शायमा को रविवार सुबह आठ बजे सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, वहीं नवाजुद्दीन रविवार देर रात तक बुढ़ाना पहुंच पाएंगे। (जासं)

13 से 16 तक विजय दिवस समारोह मनाएगी सेना

1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर मिली ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में होगा आयोजन

▸ बांग्लादेशी मुक्ति योद्धाओं का 72 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल समारोह में लेगा हिस्सा

जागरण संवाददाता, कोलकाता

1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर मिली ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय की ओर से 13 से 16 दिसंबर तक कोलकाता में विजय दिवस समारोह मनाया जाएगा। शनिवार को फोर्ट विलियम स्थित मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पूर्वी कमान के एमजीजीएस मेजर जनरल एनडी प्रसाद ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि 1971 में मिली जीत भारतीय सेना व पूर्वी कमान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। भारतीय सेना ने बांग्लादेश के मुक्ति योद्धाओं के साथ मिलकर पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, जिसके बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ। उन्होंने बताया कि कोलकाता में 13 से 16 दिसंबर तक विजय दिवस समारोह मनाया जाएगा। इस बार समारोह में बांग्लादेश का 72 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा, जिसमें 30 मुक्ति योद्धा व उनके परिवार के सदस्यों के अलावा वहां के सेना के अधिकारी होंगे। यहां चार दिनों तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में वे हिस्सा लेंगे।

मेजर जनरल प्रसाद ने बताया कि 13 दिसंबर को प्रिंसेप घाट पर मिलिट्री बैंड कंसर्ट से समारोह की शुरुआत होगी। इसे आम लोग भी देख सकेंगे। वहीं, 14 व 15 दिसंबर को आरसीटीसी ग्राउंड में भव्य मिलिट्री टैटू का आयोजन होगा, जिसमें सेना के जांबाज हैरतअंगेज प्रदर्शन कर अपनी शौर्य का परिचय देंगे। इसमें हेलीकॉप्टर शो, घोड़ा दौड़, डॉग शो, मार्च पास्ट, मोटरसाइकिल करतब आदि का प्रदर्शन कर पराक्रमी योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस भव्य कार्यक्रम को दोनों दिन आम लोग भी देख सकेंगे, जिसका उन्हें सालभर इंतजार रहता है। वहीं, 15 दिसंबर को फोर्ट विलियम स्थित अलबर्ट एक्का ऑडिटोरियम में मुक्ति योद्धाओं व 1971 युद्ध में भाग लेने वाले सेना के पुराने युद्धाओं के बीच मुलाकात व संवाद होगा। 15 दिसंबर को रेड रोड पर टाटा स्टील मैराथन का भी आयोजन किया जाएगा। वहीं, 16 दिसंबर को फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर 1971 के वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ समारोह का समापन होगा।

पृथ्वी पर बांग्लादेश का सबसे सच्चा दोस्त है भारत : बशीर उद्दीन

इस मौके पर कोलकाता में बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमीशन के कौंसुलर मोहम्मद बशीर उद्दीन ने कहा कि 1971 के युद्ध के लिए बांग्लादेश हमेशा भारत व भारतीय सेना का ऋणी रहेगा। इस युद्ध में बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों ने अपना जीवन बलिदान कर बांग्लादेश को आजाद करवाया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर बांग्लादेश का सबसे सच्चा दोस्त भारत है। हम भारत के साथ हमेशा मधुर संबंध बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा कि 1971 में करीब एक करोड़ बांग्लादेशी शरणार्थियों को बंगाल में शरण मिली थी और यहां के लोगों ने खाना-पानी से लेकर सबकुछ उन्हें दिया था। बशीर ने कहा कि भारत के साथ हर क्षेत्र में हमारा संबंध और मजबूत हो रहा है।

क्यों मनाते हैं विजय दिवस

1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर मिली ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस युद्ध में 93000 पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। 1971 में भारत ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक है। 1971 के युद्ध में करीब 3900 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे और करीब 10 हजार जवान घायल हुए थे।

सेना का काफिला उड़ाने की बड़ी साजिश नाकाम, आइईडी बरामद

▸ आतंकियों ने सोपोर-कुपवाड़ा हाईवे पर लगाया था विस्फोटक

▸ सेना की रोड ओपनिंग पार्टी ने आइईडी का पता कर किया निष्क्रिय

राज्य ब्यूरो, जम्मू

सेना ने शनिवार को जिला बारामुला में सोपोर-कुपवाड़ा हाईवे पर सगीपोरा में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम बनाते हुए एक शक्तिशाली आइईडी बरामद कर लिया। इसे बाद में निष्क्रिय कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, सेना की रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) सोपोर-कुपवाड़ा हाईवे पर गश्त कर रही थी। इस दौरान सगीपोरा क्षेत्र में जवानों को डिटेक्टर से सड़क में बिछाई गइ आइईडी होने का संकेत मिला। जवानों ने तुरंत हाईवे पर वाहनों की आवाजाही को रोक दिया और बम निरोधक दस्ते को सूचित किया। दस्ते ने जब जांच की तो एक जगह सड़क को खोदा हुआ पाया। उन्होंने सावधानीपूर्वक खोदाई कर शक्तिशाली आइईडी बरामद कर ली। इसके बाद सेना, सीआरपीएफ और एसओजी के जवानों ने सगीपोरा गांव की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश भी की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इस बीच, बम निरोधक दस्ते ने आइईडी को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उसे निष्क्रिय कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस मार्ग पर आम लोगों के अलावा सेना के काफिले भी गुजरते हैं। सुबह सेना का काफिला भी यहां से मूव करना था। आशंका है कि आतंकी इसी काफिले को निशाना बनाना चाहते थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह आइईडी काफी शक्तिशाली थी। अगर इसकी चपेट में नागरिक वाहन या सैन्य वाहन आ जाते तो काफी नुकसान हो सकता था।

बता दें कि इससे पहले 25 नवंबर को भी आतंकियों ने अनंतनाग में हाईवे पर सुरक्षाबलों के काफिले को निशाना बनाने के लिए कुकर में शक्तिशाली आइईडी लगाई थी, लेकिन तब भी सेना की चौकसी से वारदात को नाकाम बना दिया गया था।

रणजीत हत्या मामले में सीबीआइ जज जगदीप को बदलने की मांग

▸ डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह है मुख्य आरोपित

▸ सह आरोपित ने दायर की याचिका, कहा-जज पर विश्वास नहीं

जागरण संवाददाता, पंचकूला

डेरा सच्चा सौदा प्रबंधन समिति के सदस्य रहे रणजीत सिंह हत्या मामले में सह आरोपित ने विशेष सीबीआइ जज गुरदीप सिंह को बदलने की मांग की है। विशेष अदालत में दाखिल याचिका में उसने कहा है कि विशेष जज पर उसे बिल्कुल विश्वास नहीं है।

शनिवार को यहां विशेष अदालत में हुई सुनवाई के दौरान मुख्य आरोपित सुनारिया जेल में बंद डेरा मुखी गुरमीत सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश हुआ। अन्य आरोपित प्रत्यक्ष रूप से कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई में फाइनल बहस शुरू होनी थी, जो नहीं हो पाई। सहआरोपित कृष्ण लाल की तरफ से दायर याचिका में कहा गया कि विशेष जज जगदीप सिंह साध्वी यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के केस में गुरमीत सिंह के खिलाफ पहले ही सजा सुना चुके हैं, इसलिए तीसरे मामले में वह किसी और जज से सुनवाई कराना चाहते हैं। विशेष जज जगदीप सिंह पर उन्हें बिल्कुल विश्वास नहीं है। उन्हें लगता है कि इस बार भी वह उनके खिलाफ ही फैसला देंगे। उधर, सीबीआइ ने अपने जवाब में याचिका में कही गई बातों को झूठा करार देते हुए इसे जानबूझकर देरी कराने की कोशिश बताया गया है। अगली सुनवाई अब 10 दिसंबर को होगी।

चिट्ठी लीक करने के संदेह में हुई थी हत्या

10 जुलाई 2002 को डेरा सच्चा सौदा की प्रबंधन समिति के सदस्य रहे कुरुक्षेत्र के रणजीत सिंह की हत्या हुई थी। डेरा प्रबंधन को शक था कि रणजीत ने साध्वी यौन शोषण की गुमनाम चिट्ठी अपनी बहन से ही लिखवाई थी। पुलिस जांच से असंतुष्ट रणजीत के पिता ने जनवरी 2003 में हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआइ जांच की मांग की थी।

अब रिवर राफ्टिंग और क्याकिंग में बाधा नहीं बनेगी बड़ी उम्र

राज्य ब्यूरो, देहरादून : उत्तराखंड में रिवर राफ्टिंग और क्याकिंग के शौकीनों के लिए खुशखबरी। अब उम्रदराज लोग भी इन साहसिक और रोमांचकारी खेलों और अभियानों का लुत्फ उठा सकेंगे। रिवर राफ्टिंग के लिए न्यूनतम आयु सीमा 14 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष की गई है। मंत्रिमंडल ने अहम फैसला लेते हुए उत्तराखंड रिवर राफ्टिंग/क्याकिंग (चतुर्थ संशोधन) नियमावली को मंजूरी दी। राज्य मंत्रिमंडल ने साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए अहम फैसला लिया। सूत्रों के मुताबिक रिवर राफ्टिंग/क्याकिंग नियमावली के मौजूदा नियमों में 14 वर्ष की आयु से कम और 65 वर्ष की आयु से अधिक के पर्यटकों को रिवर राफ्टिंग की मनाही थी। इसी तरह 18 वर्ष की आयु से कम और 50 वर्ष से अधिक आयु के पर्यटकों को क्याकिंग की अनुमति नहीं थी। अब नियमावली में संशोधन के बाद 12 वर्ष से कम आयु वालों के साथ ही 65 वर्ष से अधिक आयु के पर्यटक भी रिवर राफ्टिंग कर सकेंगे। 12 से 14 वर्ष आयु के पर्यटकों के लिए ग्रेड-दो स्तर तक रैपिड पर ही राफ्टिंग की अनुमति होगी।

छत्तीसगढ़ के सारकेगुडा में तैयार किया जाएगा जलियांवाला जैसा बाग

▸ जवानों पर फर्जी मुठभेड़ के नाम से सारकेगुड़ा में 17 लोगों को मारने का आरोप

▸ सात साल से न्याय की लड़ाई लड़ने वाली काका कमला कर रही है पहल

नईदुनिया, बीजापुर

सारकेगुड़ा मामले में पिछले सात साल से न्याय के लिए लड़ने वाली गांव की युवती काका कमला का कहना है कि जिस तरह जनरल डायर ने जलियांवाला बाग में गोलियां बरसा कर निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की थी, उसी तरह छत्तीसगढ़ के सारकेगुड़ा में सुरक्षा बल के जवानों ने किया। निर्दोष ग्रामीणों पर गोली चलाकर उनकी निर्मम हत्या कर दी थी। अब जलियांवाला बाग की तरह सारकेगुडा के घटनास्थल पर मारे गए लोगों की याद में एक विशाल स्मारक तैयार किया जाएगा।

काका कमला ने बताया कि इसके लिए जन सहयोग से धनराशि एकत्र की जाएगी। गांव के हर घर से कुछ राशि चंदे के तौर पर जमा की जाएगी। श्रमदान कर गांव वाले स्मारक और पार्क का निर्माण करेंगे। इस निर्माण से पहले गांव में बैठक भी आयोजित की जाएगी। कमला ने बताया कि वह स्थल जहां 17 लोगों की हत्या की गई, उसमें उस जमीन के मालिक इरपा नारायण की भी मौत हो गई थी। उनके परिवार और परिजनों से बात कर उसी जगह पर स्मारक तैयार किया जाएगा।

गौरतलब है कि 28 जून 2012 को बीजापुर व बासागुड़ा से निकले कोबरा बटालियन व सीआरपीएफ जवानों ने सारकेगुड़ा गांव में ग्रामीणों पर गोलियां चलाईं थीं, जिसमें 17 लोग मारे गए थे। इसमें आठ स्कूली बच्चे भी शामिल थे। ग्रामीण मुठभेड़ को फर्जी बताकर इसकी जांच की मांग लेकर मानवाधिकार आयोग तक पहुंचे। तब विपक्ष में रही कांग्रेस ने मुद्दे को आगे बढ़ाया। भाजपा सरकार ने न्यायिक आयोग का गठन किया। आयोग की रिपोर्ट में मुठभेड़ को फर्जी बताया गया है। रिपोर्ट विधानसभा में भी पेश की जा चुकी है।

सारकेगुड़ा में धरना खत्म, सरकार को कार्रवाई का मौका देंगे आदिवासी : सारकेगुड़ा में आदिवासियों एवं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने शनिवार को थाने में जारी धरना खत्म कर दिया। धरने का नेतृत्व कर रहे हिमांशु कुमार ने बताया कि रात भर थाने में धरना जारी रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार विनोद वर्मा से फोन पर बात हुई। वर्मा ने कहा कि सरकार अभी आयोग के रिपोर्ट का अध्ययन कर रही है। इसके बाद एक्शन टेकन रिपोर्ट जारी करेंगे। अभी एफआइआर की जिद करेंगे तो कोई फायदा नहीं। इसके बाद धरना स्थगित करने का निर्णय लिया। मौके पर लीगल एंड ग्रुप की शालिनी गेरा भी पहुंची थीं।पुलिस को जो शिकायत पत्र दिया गया है, उसकी पावती लेने के साथ धरना खत्म किया गया। आंदोलनकारियों ने थाने में जो पत्र दिया है उसमें कहा गया है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को दोबारा शुरू किया जाएगा।

आए आगे

मप्र के टीकमगढ़ का है मामला, विद्यार्थियों ने प्रमुख सचिव के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं सुमन, इसलिए तबादले का विरोध

कलेक्टर का तबादला रुकवाने को घेरा दफ्तर

नईदुनिया, टीकमगढ़

मध्य प्रदेश के आइएएस अफसरों की तबादला सूची में टीकमगढ़ कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन का नाम शामिल होने से जिले के विद्यार्थी नाराज हो गए हैं। शनिवार को कलेक्टर का तबादला रुकवाने के लिए सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने प्रदेश के प्रमुख सचिव के नाम डिप्टी कलेक्टर विकास आनंद को ज्ञापन दिया। विद्यार्थियों का कहना है कि कलेक्टर सुमन निशुल्क कोचिंग देकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करा रहे थे, उनके तबादले से हमारी तैयारी प्रभावित होगी।

अकादमी का संचालन कर कलेक्टर स्वयं पढ़ाते थे : ज्ञापन देने पहुंची छात्राओं सोनम रिछारिया, शैली मिश्रा आदि ने बताया कि कलेक्टर सुमन द्वारा निशुल्क प्रशासनिक सेवा अकादमी का संचालन किया जाता है, इसमें गरीब परिवारों की छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए कलेक्टर स्वयं पढ़ाते थे।

398 विद्यार्थी अध्ययनरत : यह अकादमी जुलाई माह से लगातार संचालित हो रही है। 398 छात्र-छात्राएं वर्तमान में अकादमी में अध्ययनरत हैं। इसके अलावा जिले की शिक्षा व्यवस्था को भी उन्होंने सुधारा, लेकिन शासन ने उनका तबादला कर दिया। इससे नाराज छात्र-छात्राओं ने सौरभ कुमार सुमन को जिला कलेक्टर पद पर कायम रखने की मांग की है।

तबादला नहीं रोका तो आंदोलन : विद्यार्थियों ने कहा कि अगर कलेक्टर का तबादला आदेश निरस्त नहीं किया जाता है, तो सड़कों पर आकर आंदोलन किया जाएगा।

टीकमगढ़ के कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी करते जिले के विद्यार्थी। नईदुनिया

प्रशासन ने जम्मू बंद बनाया बेअसर

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पैंथर्स पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर जम्मू बंद को विफल बना दिया। पार्टी ने मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद रहने, सरोर टोल प्लाजा खुलने, बढ़ती महंगाई समेत अन्य मुद्दों के खिलाफ शनिवार को जम्मू बंद का आह्वान किया था। पुलिस ने पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह को तो गत दिवस घर में नजरबंद कर दिया था। पार्टी के प्रदेश प्रधान व पूर्व विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया, यशपाल कुंडल समेत कुछ कार्यकर्ता जब सुबह प्रदर्शन करने प्रेस क्लब के बाहर पहुंचे तो पहले से तैनात पुलिस बल सभी को हिरासत में लेकर जिला पुलिस लाइन ले गई।

अन्य क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं को नहीं आने दिया : पुलिस ने 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। पार्टी के प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आरएसपुरा, ऊधमपुर, सांबा, विजयपुर व अन्य इलाकों से जम्मू पहुंचना चाहते थे जिन्हें जम्मू पहुंचने नहीं दिया गया। वहां से पुलिस ने वापस कर दिया। पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह ने कहा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से जम्मू बंद करना चाहते थे।

आइएस केरल मॉड्यूल के दो सदस्यों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

▸ एनआइए ने खुद संज्ञान लेते हुए छह आरोपितों के खिलाफ इसी साल मई में दर्ज किया था मुकदमा

नई दिल्ली, आइएएनएस : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने आतंकी संगठन आइएस के केरल-तमिलनाडु मॉड्यूल के दो सदस्यों के खिलाफ शनिवार को आरोपपत्र दाखिल कर दिया। इनमें समूह का मास्टरमाइंड मुहम्मद अजरुद्दीन भी शामिल है। वह श्रीलंका में हुए ईस्टर धमाकों के मुख्य आरोपित जाहरान हाशिम से भी जुड़ा रहा है।

एनआइए के प्रवक्ता ने दिल्ली में बताया कि एजेंसी ने एर्नाकुलम स्थित विशेष अदालत में अजरुद्दीन के अलावा शेख हिदायतुल्लाह के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआइए ने दोनों आरोपितों को इसी साल 12 जून को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया था।

एजेंसी के अधिकारी के अनुसार, अजरुद्दीन श्रीलंका के ईस्टर धमाकों के मास्टरमाइंड जाहरान से फेसबुक पर जुड़ा हुआ था। इन धमाकों में करीब ढाई सौ लोग मारे गए थे। केंद्रीय एजेंसी ने खुद संज्ञान लेते हुए 30 मई को तमिलनाडु के कोयंबटूर निवासी छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उसे सूचना मिली थी कि आरोपित केरल व तमिलनाडु के युवाओं को आइएस में भर्ती करना चाहते थे। इसके लिए वे सोशल मीडिया पर आतंकी विचारधारा का प्रचार करते थे।

प्रवक्ता ने बताया कि अजरुद्दीन व हिदायतुल्लाह वर्ष 2017 से ही आइएस की आतंकी विचारधारा का प्रचार कर रहे थे। अजरुद्दीन इस मॉड्यूल का सरगना था और उसने फेसबुक पर बाकायदा 'खिलाफाहजीएफएक्स' नामक पेज भी बना रखा था। उन्होंने कहा, 'कोयंबटूर के अन्य स्थानों के अलावा वे अपने घरों में भी आइएस के समर्थन में गुप्त बैठकें करते थे। वे सोशल मीडिया पर जाहरान को फॉलो करते थे और उसके भड़काऊ भाषणों को डाउनलोड कर प्रसारित भी करते थे।'